

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

अपील प्रकरण क्रमांक : 31/III/2014

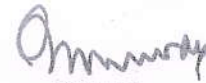
जिला सागर

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर |
|------------------------|---|--|
| 29.4.2014 | <p>यह अपील अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 684/अ-21/07-08 में पारित आदेश दिनांक 19-9-2008 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 के अंतर्गत दिनांक 11-12-2013 को प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन में वर्णित तथ्यों के संबंध में अपीलांत के अभिभाषक ने तर्क दिया कि अपीलांत के पिता स्वर्गीय छुट्टी का पूर्व में स्वर्गवास हो चुका है। अपीलांत अनपढ़ एवं देहाती होने से भूमि सर्वे नंबर 124/3 एवं 135/4 कुल रकबा 0.600 हैक्टर (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि अंकित किया गया है) बोनी करने गया तब उसे बताया गया कि उसके पिता ने भूमि विक्रय कर दी है, तब अपीलांत ने दस्तावेजों की खोज की और 24-9-13 को प्रमाणित प्रतिलिपियाँ प्राप्त करने पर एवं अभिभाषक से संपर्क एवं सलाह लेने पर दिनांक 11-12-13 को अपील की गई है इसलिये विलम्ब क्षमा किया जाकर अपील सुनवाई हेतु ग्राह्य की जावे।</p> <p>3/ प्रकरण के अवलोकन से पाया गया कि अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर ने वादग्रस्त भूमि के विक्रय की अनुमति 19-8-09 को दी है जिस पर से वादग्रस्त भूमि का विक्रय हुआ है। विक्रेता द्वारा क्रेता को विक्रय प्रतिफल प्राप्त करने</p> | |

एवं भूमि विक्रय करने के वाद मौके पर तत्समय कब्जा प्रदान कर दिया जाता है, जबकि आवेदक अवधि विधान की धारा-5 में वर्ष 2013 में भूमि जोतने जाने का तथ्य बता रहा है वर्ष 2009 से 2013 तक आवेदक भूमि पर कृषि करता आ रहा था, कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। आवेदक वादग्रस्त भूमि के विक्रेता भूमिस्वामी छुट्टी पुत्र है एवं पिता द्वारा किया गया संव्यवहार आवेदक के पुत्र होने से उस पर बंधनकारी है क्योंकि विक्रय अनुमति के समय अथवा भूमि विक्रय के समय आवेदक ने किसी प्रकार की आपत्ति नहीं की है एवं विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता के नामांतरण के समय भी कोई आपत्ति नहीं की है, जिसके कारण अवधि विधान की धारा-5 में वर्णित तथ्य अविश्वसनीय होने से आवेदक लाभ पाने का पात्र नहीं है।

1. भू-राजस्व संहिता, 1959 (म.प्र.)-धारा-47 तथा 44 एवं परिशीला अधिनियम, 1963 - धारा 5 - विलंब माफी हेतु आवेदन - आदेश की जानकारी का सही श्रोत नहीं दर्शाया गया - प्रत्येक दिन के विलंब का स्पष्टीकरण नहीं - विलंब माफ नहीं किया जा सकता।
2. म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959- धारा 47 - अनुचित विलम्ब को क्षमा करके एक पक्षकार को लाभ देते हुये द्वितीय पक्षकार को प्रोदभूत मूल्यवान अधिकार को विनष्ट नहीं किया जा सकता।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी निरस्त की जाती है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।



सदस्य